NATIONAL SECURITY GUARD

12th NBDC SEMINAR (15th - 17th FEB, 2012)

PRESS RELEASE

National Bomb Data Centre (NBDC) of the NSG, is holding its 12th International NBDC Seminar, from 15-17 Feb 2012, in the scenic environs of its Manesar Campus.

This Seminar is an important annual event in the busy schedule of the NSG Commandos. Each year, a current and topical theme concerning National Security issues is selected and dwelled upon in detail during the Seminar. The theme of this year's Seminar is **"Emerging Trends of Terrorism in India with Special Emphasis on Defeating IED attacks"**. Like every year, a large number. of National and International delegates and speakers are attending the Seminar this year, too. In addition to 103 Indian delegates from various security agencies of the Country, a total of 23 foreign delegates from friendly foreign countries are also attending the Seminar.

In his keynote address, DG, NSG, Shri RK Medhekar, IPS welcomed all delegates to NSG and set the tone and tenor of the seminar highlighting the fact that terrorism continues to be an all-pervasive phenomenon. It continues to force governments, all over the world, to plan and shape their security strategies and focus their energies and resources on countering threats to their respective National Security and Public Safety. This imposes great strains on a country's financial resources which otherwise could well have been used for development projects.

DG NSG recalled that over the past few years there have been a series of attacks including explosions in local trains in July 2006, unprecedented Mumbai attacks of 26 November 2008 when prominent hotels, a landmark Railway Terminus and a Jewish Chabad House in Mumbai were attacked and laid siege to. The recent High Court blasts of 25 May 2011 in Delhi etc are examples of such activities that are aimed primarily at disturbing the peace and demoralizing the people and security forces. The Car-bomb incident that occurred in our capital city on 13/2/2012 when a diplomatõs vehicle was targeted apparently by a motorcyclist bomber who attached a bomb to the vehicle is indicative of the innovation that the terrorist adopts to achieve his objectives

In this environment of constant change and enhanced threat of terrorism, DG NSG pointed out that the IED stands out as a unique and one-of-a-kind weapon, which has turned the entire spectrum of conflict on its head. The emergence of IED as the preferred tool of attack coupled with its reach and range of use has changed the dynamics of war on terror rather dramatically. The objective has shifted from elimination of a few important personalities to inflicting indiscriminate violence on an entire population.

Earlier, Director NBDC, Col ML Sharma welcomed the delegates to the Seminar and briefed them about various aspects to be covered during the discussions and conduct of the Seminar.

Apart from the various discussions and presentations being planned during the Seminar, the highlight of the Seminar will be detailed and educative IED demonstration, being organized by NBDC. The demonstration will cover all aspects of IEDs, including construction and detonation of IEDs, which have prominently been encountered by Security Forces nationally or Internationally recently, as well as over the years.

An equipment display is also being organized during the Seminar, which has a good representation from most of the prominent Security Eqpt Vendors, for the benefit of the delegates.

रा-ट्रीय सुरक्षा गारद

12वाँ अंतर्रा-ट्रीय एन.बी.डी.सी. सेमिनारः 15-17 फरवरी, 2012

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

रा-ट्रीय बम डाटा सेंटर (एनबीडीसी) रा ट्रीय सुरक्षा गारद, जिसका **12 वाँ अंतर्रा-ट्रीय एनबीडीसी सेमिनार दिनांक 15 -17 फरवरी**, **2012** तक मानेसर के प्राकृतिक वातावरण में आयोजित किया जा रहा है ।

एन0एस0जी0 कमांडो की व्यस्त दिनचर्या के बीच यह सेमिनार बहुत महत्वपूर्ण वार्िक आयोजन है । इस सेमिनार में रा ट्रीय सुरक्षा से संबंधित समसामयिक एवं प्रासंगिक वि ायों का चुनाव किया जाता है और इस दौरान इन पर विस्तार पूर्वक निरूपण किया जाता है । इस वर्ा सेमिनार का वि ाय **" इमर्जिंग टेंड्रस ऑफ टैररीजम इन इंडिया विद स्पेशल इम्फैसिस ऑन डिफिटिंग आइ ई डी अटैक्स" है ।** हर वर्ा की तरह इस वर्ा भी बड़ी संख्या में रा ट्रीय और अंतर्रा ट्रीय प्रतिनिधि और वक्ता इस सेमिनार में भाग ले रहे हैं । देश की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की 103 भारतीय प्रतिनिधियों के अतिरिक्त मित्र रा ट्रों के 23 विदेशी प्रतिनिधि भी हिस्सा ले रहे हैं ।

अपने आधार व्याख्यान में श्री आर.के.मेढेकर, भा.पु.से., महानिदेशक, रा ट्रीय सुरक्षा गारद ने सभी प्रतिनिधियों का रा ट्रीय सुरक्षा गारद में स्वागत किया एवं आतंकवाद को एक व्यापक संकट बताते हुए सेमिनार की दशा और दिशा निर्धारित की । इस संकट का सामना करने के लिए विश्व के सभी रा ट्रों को अपनी रा ट्रीय और नागरिक सुरक्षा के लिए अपने उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए एक प्रभावी सुरक्षा रणनीति बनाने की आवश्यकता है । जिससे रा ट्रों के वित्तीय संसाधनों पर भार पड़ रहा है अन्यथा इसका इस्तेमाल विकास के कार्यों में किया जाता ।

महानिदेशक, रा ट्रीय सुरक्षा गारद ने बताया कि विगत व ार्ों में कई गंभीर आतंकवादी हमले हुए जिनमें मुख्य रूप से जुलाई, 2006 में लोकल ट्रेन में ब्लॉस्ट एवं मुंबई 26 नवम्बर, 2008 में मुख्य होटलों, रेलवे टर्मिनस एवं यहूदी चबाड हाउस में आतंकवादी हमला है । हाल ही में घटित 25 मई, 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट में हुआ ब्लॉस्ट का उद्देश्य शांति एवं नागरिकों और सुरक्षा बलों के मनोबल को आघात पहुँचाना था । 13 फरवरी, 2012 को घटित कार बम विस्फोट की घटना, जिसमें राजनयिक की गाड़ी को निशाना बनाया गया था, जिसमें मोटरसाईकिल पर सवार आतंकवादियों ने गाड़ी में बम को अटैच करके घटना को अंजाम दिया है उनकी नई तकनीक को दर्शाता है ।

लगातार बदलती और बढ़ते आतंकवाद के इस माहौल में महानिदेशक महोदय ने बताया कि आई ई डी एक अलग तरह का हथियार है, जो इस संघ र् को एक अलग स्तर पर ले आया है । आई ई डी का इस्तेमाल आसान होने के कारण यह आतंकवादियों का एक आम हथियार के रूप में उभर कर आया है जिससे इस संघ र् में नाटकीय परिवर्तन आया है । अब आतंकवादियों का उद्देश्य प्रमुख व्यक्तियों को निशाना बनाना न होकर आम नागरिकों के बीच अविवेकी हिंसा फैलाना है ।

इसके पूर्व कर्नल एम.एल.शर्मा, निदेशक, एनबीडीसी ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सेमिनार के दौरान की जाने वाली चर्चा और आयोजन के संबंध में विभिन्न वि ायों पर सूक्ष्म प्रकाश डाला ।

विभिन्न चर्चाओं और प्रस्तुतियों के अतिरिक्त इस सेमिनार के दौरान विस्तृत और ज्ञानवर्धक आई ई डी डेमोस्ट्रेशन भी आयोजित किया जा रहा है । इस प्रदर्शन के दौरान आई ई डी, उसके बनाने और उसे विस्फोट करने संबंधित उन वि ायों की जानकारी दी जाएगी जिसका रा ट्रीय और अंतर्रा ट्रीय स्तर पर सुरक्षा बल व ार्ों से सामना कर रहे हैं । सेमिनार के दौरान प्रतिनिधियों के लिए संबंधित उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा जिनमें मशहूर सुरक्षा उपकरण विक्रेताओं की अच्छी भागीदारी होगी ।

****